पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व निःस्वार्थ सेवा और परिश्रम की भावना का अप्रतिम उदाहरण - राज्यपाल

लखनऊः 31 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा आयोजित व्याख्यान 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय का राष्ट्र चिन्तन' की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल का जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित एक निष्काम कर्मयोगी के रूप में उच्च आदर्शों और सादगी का अभूतपूर्व उदाहरण था। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व निःस्वार्थ सेवा और परिश्रम की भावना का अप्रतिम उदाहरण है। वे भारत को समृद्धशाली राष्ट्र बनाने की कल्पना करते थे। अगला वर्ष पंडित दीनदयाल जी का जन्मशताब्दी वर्ष होगा। उनके विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के वैचारिक दर्शन को अपने कृति में उतारने की आवश्यकता है।

श्री नाईक ने मुंबई में झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले नागरिकों के बारे में पंडित दीनदयाल के विचार उद्धृत करते हुए कहा कि पंडित जी चाहते थे पहले झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों की उचित पुनर्वास की व्यवस्था होने के बाद ही वहाँ से उन्हें विस्थापित किया जाय। राज्यपाल ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रेरणा से उन्होंने मुंबई में झुग्गी झोपड़ी परिषद का गठन किया था। राज्यपाल ने पंडित जी के बचपन का एक संस्मरण भी सुनाया। राज्यपाल ने भाऊराव देवरस को अपनी आदरांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भाऊराव देवरस एक शिल्पकार थे जिनमें समाज सेवक बनाने की शक्ति थी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद, डा॰ मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अपने विचारों को रखने और समझाने का अनूठा तरीका था। भाऊराव देवरस एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय आन्दोलन के महामनीषी थे। पंडित जी ने राजनीति में नयी चेतना प्रवाहित की थी। वे मानते थे कि राष्ट्र एक स्वयंभू ईकाई है। राष्ट्रीयता के लिए माता और पुत्र जैसा संबंध होना चाहिए। शिक्षा से राष्ट्र बेहतर बनता है और यही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य को सदकर्मी बनाती है।

श्री जोशी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राज्य, राष्ट्र, संस्कृति, शिक्षा एवं अर्थ पर जो विचार व्यक्त किये हैं वे आज के युग में प्रासंगिक हैं। पंडित जी ने कहा था कि मन, शरीर, आत्मा एवं बुद्धि से मानव बनता है और उसी तरह राष्ट्र का निर्माण देश, जन, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना से होता है। उन्होंने कहा कि पंडित जी ने अन्तयोदय का भाव विकसित किया।

इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन महापौर लखनऊ, डा॰ दिनेश शर्मा ने दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री ओम प्रकाश गोयल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल एवं डा॰ मुरली मनोहर जोशी को अंग वस्त्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर श्री राहुल सिंह ने भाऊराव देवरस सेवा न्यास का संक्षिप्त परिचय दिया।

डॉ० दिनेश शर्मा जी
श्री राम नाईक जी
माननीय राज्यपाल
उत्तर प्रदेश
डॉ० मुरली मनोहर जोशी
माननीय सांसद
(मुख्य वक्ता)
।। सेवा हि परमो धर्मः ।।
भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा
22वाँ पुष्प

इं0 राम निवास जैन
डॉ0 दिनेश शर्मा जी
श्री राम नाईक जी
पं0 दीन दयाल उपाध्याय
।। सेवा हि परमो धर्मः ।।
भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा आयोजित
22वाँ पुष्प

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा आयोजित
भाऊराव देवरस स्मृति-व्याख्यान
व्याख्यान का विषय
पं0 दीनदयाल उपाध्याय का राष्ट्र चिन्तन
लखनऊ
सेवा हि परमो धर्मः
राजनाथ सिंह 'सूर्य'
राहुल सिंह